नई सोच के साथ बढ़ते कदम

प्रतापगढ़ जिले की छोटीसादडी पंचायत समिति के गोमाना ग्राम पंचायत के निवासी श्री राधेश्याम साहु एक ऐसे व्यक्ति है जो शिक्षित होने के साथ साथ सरकारी सेवा मे चान्दोली ग्राम पंचायत के पदेन सचिव भी है। ग्राम पंचायत के कार्यो के साथ बचे हुए समय मे अपने भाई श्री गोपाल जी साहु एवं परिवार के साथ मिलकर खेती का कार्य करते है। सचिव रहते हुए सरकार कि कई योजनाओं का लाभ गांव वालो को दिलाते हुए गांव का विकास किया। सरकारी सेवा समय के पश्चात उन्होने सोचा कि कृषक परिवार के होते हुए अच्छी जमीन भी उनके पास है तो खेती करने का मन बना कर सरकारी योजनाओं का लाभ लेते हुए खेती प्रारम्भ की। क्योकि भारत स्वाभिमान ट्रस्ट से उनका और उनके परिवार का जुडाव काफी लम्बे समय से था। जिसमे इन्होने स्व. श्री राजीव दीक्षीत जी के बताए अनुसार पौराणीक पद्धती से जैविक खेती करने का निर्णय लिया और जैविक खेती करना प्रारम्भ किया।

जैविक खेती के लाभो एंव वास्तविकता से रूबरू होने वाले किसानो मे साहु फार्म हाउस ग्राम पंचायत गोमाना के अध्यापक एवं जागरूक कृषक श्री गोपाल जी साहु एंव चान्दोली पदेन सचिव राधेश्याम साहु का नाम प्रतापगढ़ मे लिया जाता है। श्री साहु पिछले 4 सालों से 6 हैक्टर जमीन में जैविक खेती कर अपनी उत्पादन क्षमता को

बढ़ा रहे है साथ ही सरकार की विभिन्न योजनाओं का भी लाभ ले रहे है।

फार्म हाउस पर वर्मी कम्पोस्ट इकाई, सोलर पंप एवं फव्वारा, ड्रिप एंव मिनि स्प्रींकलर का लाभ लेकर जैविक खेती प्रांरभ कि। जैविक खेती के साथ साथ इन्होने फार्म हाउस मे औषधीय पौधे भी लगा रखे है।

जैविक खेती करने से प्रथम वर्ष तो उत्पादन कम हुआ परन्तु लागत पहले से बहुत कम आई जिससे उत्पाद का लाभ बराबर हो गया और वर्तमान मे उत्पादन पहले से अधिक होने लगा है और खेती कि जमीन भी मुलायम हो गई है। श्री साहु अपने किसान भाईयों से जैविक खेती की ओर अग्रसर होने का आग्रह करते रहते है। साथ ही पशुपालन का खेती से जुड़ाव के बारे मे जानकारी आने वाले किसानो को देते रहते है। इन्होने फार्म हाउस पर डेयरी लगा रखी है जिसमे देशी गायो को रखा है क्योंकि आपका मानना है कि जैविक खेती करने के लिए गोबर कि आवश्यकता होती है जो कि केवल गाय से प्राप्त होता है। वो हमेशा किसानो से पशु पालन पर जोर देते हुए कहतें है कि गाय के एक ग्राम गोबर मे 86 करोड बेक्टीरीया होते है जो हमारी जमीन को उपजाऊ बनाने है एंव फसलो मे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाते है। गायो से प्राप्त गोबर से जैविक खाद तैयार कर रहे है एंव गोमुत्र का उपयोग जैविक किटनाशक बनाने मे कर इसका उपयोग खेती मे कर रहे है।

'कट्स' द्वारा राजस्थान के 6 जिलो मे ''राजस्थान मे जैविक उपभोग को बढावा देने के लिए परियोजना''(प्रो–ऑर्गेनिक) स्वीडिस सोसायटी फॉर नेचर कन्जरवेसन, स्वीडन के आर्थिक सहयोग से संचालित की जा रही है। कट्स मानव विकास केन्द्र चित्तौड़गढ़ द्वारा

चित्तौड़गढ़ एंव प्रतापगढ़ जिले मे परियोजना का संचालन किया जा रहा है। प्रतापगढ़ जिले मे प्रो–ऑर्गेनिक परियोजना के तहत जिला स्तरिय किसान आमुखिकरण कार्यशाला का आयोजन दिनांक 11 जुन को एंव 12 जुन 2014 को प्रायोगिक भ्रमण का आयोजन साहु फार्म हाउस, ग्राम पंचायत गोमाना मे किया गया था जिसमे 50 किसानो कि सहभागिता रही थी। क्योकि किसानो के आमुखीकरण के लिए विषयवस्तु की जानकारी को प्रायोगिक तरिके से दिखाने के लिए इस स्थान का चयन किया गया था। किसानों को प्रथम दिवस मे बताए गये जैविक खेती के लाभो एंव वास्तविकता से रूबरू करवाने के लिए किसानो को साहु फार्म गोमाना में ले जाया गया जहां प्रतापगढ़ जिले की छोटीसादडी पंचायत समिति के गोमाना ग्राम पंचायत के निवासी श्री राधेश्याम साहु से मिलाया गया।